सुश्री स्मिता झिंगरन

सदस्य (पूर्णकालिक), एनएफआरए

सुश्री स्मिता झिंगरन इस समय राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण में सदस्य हैं। यह प्राधिकरण लेखापरीक्षा पेशे और भारतीय लेखांकन मानकों की निगरानी के लिए एक स्वतंत्र नियामक है। सुश्री झिंगरन एक पूर्व सिविल सेवक हैं और भारत सरकार में काम करने का 36 वर्ष का अनुभव है। आप 1986 में भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) में शामिल हुईं। आपको वित्त, कराधान, न्यायनिर्णयन और नियामक निगरानी के क्षेत्रों का व्यापक ज्ञान और अनुभव है।

आयकर विभाग में अपने करियर के दौरान आपने कई वरिष्ठ पदों पर कार्य किया जिनमें कर कानूनों को लागू करना, कर-संबंधी जांच, कर मूल्यांकन और न्यायिक प्रतिनिधित्व शामिल है।

आप दो बार प्रतिनियुक्ति पर रही हैं। आपकी पहली प्रतिनियुक्ति कोसोवो स्थित संयुक्त राष्ट्र मिशन में थी और दूसरी भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग में।

आईआरएस अधिकारी के नाते आपने कर निर्धारण तैयार करने में कई वर्ष बिताए। जब आप दिल्ली में संयुक्त आयुक्त स्पेशल रेंज थीं, आपके पास दिल्ली में शीर्ष कारपोरेट करदाताओं के आयकर आकलन तैयार करने की जिम्मेदारी थी। इससे पहले, आप एक विशेष सर्कल की प्रभारी थीं जिसका कार्य विभाग द्वारा तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के बाद जांच से उत्पन्न कर का आकलन तैयार करना था।

आयकर निपटान आयोग में अपर निदेशक और बाद में जांच निदेशक के रूप में आपने जटिल मामलों जिनमें तलाशी की कार्रवाई की गई थी, के निपटान के लिए गुप्त आय के निर्धारण और उसे अंतिम रूप देने में आयोग की सहायता की। एक विभागीय प्रतिनिधि के नाते आप आयकर अपीलीय अधिकरण के समक्ष राजस्व की ओर से बहस करने वाली काउंसेल थीं।

खुफिया एवं आपराधिक जांच महानिदेशक के रूप में आप नीति परिवर्तन, क्षेत्रीय स्तर पर कार्रवाई तथा एफएटीसीए और सीआरएस जैसी अंतर-राष्ट्रीय रिपोर्टिंग के लिए विभिन्न वित्तीय मानकों के संबंध में देशव्यापी डेटा एकत्र करने और मिलान करने की प्रभारी थीं।

वर्ष 2019 में दिल्ली और अहमदाबाद के लिए क्षेत्रीय ई-निर्धारण केन्द्र की प्रथम मुख्य आयुक्त के रूप में आपने भारत सरकार की फेसलेस असेसमेंट स्कीम को पूरी तरह से लागू किए जाने से पहले प्रायोगिक परियोजना का नेतृत्व किया।

महानिदेशक, मानव संसाधन विकास के रूप में, आपने आयकर विभाग के समूचे भारत में स्थित 10,000 से अधिक अधिकारियों और 65,000 कर्मचारियों की मानव पूंजी के विकास की जिम्मेदारी निभाई।

संयुक्त राष्ट्र में अपनी प्रतिनियुक्ति के दौरान आप संयुक्त राष्ट्र के कोसोवो स्थित मिशन के अंतरिम प्रशासन में बजट और वित्त अधिकारी थीं।

नियामक क्षेत्र में, आपने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के सचिव के रूप में कार्य किया। यह आयोग भारत में उचित बाजार नियामक है। सचिव के रूप में अपने छह वर्ष के कार्यकाल में आपने आयोग के सभी प्रशासनिक मामले देखे। आप आयोग में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, क्षमता निर्माण, मानव संसाधन, वित्त और कारपोरेट सेवा प्रभागों की मुखिया थीं। बाद में, अपने 6 वर्ष के कार्यकाल के अंतिम वर्ष में आप संयोजन प्रभाग की भी मुखिया रहीं। यह प्रभाग, आयोग के विलय समीक्षा कार्य देखता है।

सुश्री झिंगरन के पास रक्षा और सामरिक अध्ययन में एम.फिल, गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री, कानून में स्नातक की डिग्री और पुणे विश्वविद्यालय के फर्ग्यूसन कॉलेज से अर्थशास्त्र में स्नातक की डिग्री है।

आपकी व्यावसायिक योग्यताओं में मैक्सवेल स्कूल, सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय से कर नीति पर सर्टीफिकेट कोर्स शामिल है।